अतारांकित प्रश्न सं0 4907

गृह मंत्रालय

राजभाषा विभाग

लोक सभा

(23.05.2006 को उत्तर के लिए)

श्री विजय कृष्ण

गृह राज्य मंत्री (श्री माणिक राव एच. गावीत)

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकारी क्षेत्र के बैंक तथा सरकारी क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) हिन्दी को बढ़ावा देने संबंधी राजभाषा विभाग के दिशानिर्देशों का क्रियान्वयन करने में विफल रहे हैं तथा वे हिन्दी को बढ़ावा देने का बहाना बनाकर धनराशि का दुरूपयोग कर रहे हैं ;

(क) जी नहीं ।

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) सरकारी क्षेत्र के बैंकों तथा सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में हिन्दी को बढ़ावा देने पर अलग-अलग कितना खर्च किया गया ; और

(ग) सूचना केंद्रीकृत रूप में नहीं रखी जाती है ।

(घ) उपर्युक्त बैंकों तथा सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में राजभाषा हिन्दी में किए गए कार्य की प्रतिशतता का बैंकवार तथा सरकारी क्षेत्र के उपक्रमवार ब्यौरा क्या है ?

(घ) संसद द्वारा पारित राजभाषा संकल्प 1967(अधिसूचित 18 जनवरी, 1968) के अनुदेशों की अनुपालना में संघ का राजकीय कार्य हिंदी में करने के लिए राजभाषा विभाग द्वारा प्रतिवर्ष वार्षिक कार्यक्रम तैयार किया जाता है जिसमें विभिन्न मदों के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं । इन लक्ष्यों की तुलना में उपलब्धि वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट में दर्शाई जाती है । इस परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2004-05 की मूल्यांकन रिपोर्ट दिनांक 14.03.2006 को लोकसभा के पटल पर रखी गयी ।